International Research Journal of Human Resources and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor- 5.414, Volume 5, Issue 1, January 2018
Website- www.aarf.asia, **Email** : editor@aarf.asia , editoraarf@gmail.com

माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

श्रीमती विनीता शुक्ला
शोधार्थी, शिक्षा संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
डॉ. श्रीमती ज्योत्स्ना खरे
प्राचार्य,
एन. ई. एस. महाविद्यालय, होशंगाबाद

प्रस्तुत शोध पत्र में माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 100 छात्र व 100 छात्राओं का चयन कर उन पर 'व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली' का प्रशासन किया गया तथा छात्र व छात्राओं के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार छात्र व छात्राओं के सौंदर्यात्मक, आर्थिक, सुखवादी, पारिवारिक प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, ज्ञान, शक्ति मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया।

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने के साथ ही, उनमें उत्तम चारित्रिक गुणों का विकास करना भी है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्धारण करने में अनुवांशिकता एवं वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि विद्यार्थियों को सकारात्मक वातावरण मिलता है, तो उनमें सहयोग, अहिंसा, स्नेह, दयालुता, करूणा, सेवाभाव, सहानुभूति, शिष्टाचार व कर्तव्यपालन जैसे गुणों का विकास होता है, और उनका व्यक्तित्व प्रभावशाली बनता है, साथ ही उनमें उत्तम नागरिक गुणों का विकास होता है। प्रस्तुत शोध में लिंग स्वतंत्र चर हैं, अतः वर्तमान समय में शिक्षा के प्रचार व प्रसार के कारण समाज के दृष्टिकोण में आने वाले परिवर्तनों के कारण छात्र–छात्राओं का व्यक्तित्व व चरित्र किस तरह निर्मित हो रहा है, तथा इसके फलस्वरूप लिंग भिन्नता के कारण मूल्य किस प्रकार प्रभावित हो रहे हैं, उपरोक्त बातों का अध्ययन करना बहुत ही सामयिक प्रतीत हो रहा है। अतः शोधकर्ता ने उपरोक्त सभी बातों को ध्यान में रखते हुए वर्तमान समस्या का चयन शोधकार्य हेतु किया है।

मूल्यों से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं जैसे – **कोत्सु (1992)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि छात्र तथा छात्राओं के सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, ज्ञान, शक्ति तथा पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया। **यादव (1999)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि छात्र एवं छात्राओं के सैद्धांतिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक तथा धार्मिक मूल्यों में कोई सार्थक अतंर नही पाया गया। **महापात्रा (2004)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि छात्र व छात्राओं के सामाजिक, प्रजातांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा तथा सुखवादी मूल्य में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया, जबकि छात्र व छात्राओं के धार्मिक मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया व छात्रों में, छात्राओं की अपेक्षा उच्च धार्मिक मूल्य पाए गये। **जोशी; शर्मा एवं यादव (2004)** ने अपने अध्ययन के

© **Associated Asia Research Foundation (AARF)**
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

निष्कर्षतः पाया कि पुरूष एवं महिलाओं के सैद्धांतिक, आर्थिक व राजनैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया तथा पुरूषों में यह मूल्य महिलाओं की तुलना में उच्च पाए गये, जबकि पुरूष एवं महिलाओं के सौन्दर्यात्मक, धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **हनवत (2007)** नें अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि छात्र एवं छात्राओं के नैतिक मूल्यों – ईमानदारी, लगनशीलता, मानवता व विनम्रता तथा चारों के सम्मिलित मान में कोई सार्थक अतंर नही पाया गया। **बाला, मुकेश (2007)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य में अंतर पाया गया और छात्राओं के नैतिक मूल्य, छात्रों की तुलना में उच्च पाए गये। **बाकलीवाल एवं अग्रवाल (2009)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं था। **पाटिल (2009)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि महिला एवं पुरूष प्रशिक्षुओं के सौन्दर्यात्मक, दार्शनिक, धार्मिक, नैतिक, आर्थिक एवं राजनैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया। **श्रीवास्तव एवं चौधरी (2012)** के अध्ययन से ज्ञात हुआ कि नैतिक मूल्यों में लिंग भिन्नता नहीं पाई गयी।

उद्देश्य

माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मूल्यों (धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, सौंदर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य) का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मूल्यों (धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, सौंदर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य) में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

उपकरण

व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली – डॉ. (श्रीमती) जी.पी. शैरी एवं आर.पी. वर्मा

विधि

सर्वप्रथम भोपाल जिले के माध्यमिक विद्यालयों की सूची प्राप्त की गई तथा इस सूची में से यादृच्छिक प्रतिचयन विधि के अंतर्गत लॉटरी विधि द्वारा चार विद्यालयों का चयन किया गया तथा इन विद्यालयों की कक्षा नवमीं में अध्ययनरत् 100 छात्र व 100 छात्राओं का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा कर उन पर सामूहिक रूप से 'व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली' का प्रशासन किया गया तथा छात्र व छात्राओं के विभिन्न मूल्यों का फलांकन किया गया। प्राप्तांकों के आधार पर मास्टर शीट तैयार की गई। क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किये गये।

परिणामों का विश्लेषण

परिकल्पना : माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मूल्यों (धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, सौंदर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य) में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

तालिका माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मूल्यों संबंधी तुलनात्मक परिणाम

मूल्य	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	'पी' मान
धार्मिक	छात्र	100	12.57	2.95	2.47	< 0.05
	छात्राएं	100	13.68	3.27		
सामाजिक	छात्र	100	15.13	2.88	2.81	< 0.01
	छात्राएं	100	13.95	3.05		
प्रजातांत्रिक	छात्र	100	15.77	3.29	2.12	< 0.05

	छात्राएं	100	14.86	2.80		
सौंदर्यात्मक	छात्र	100	14.71	2.87	1.30	> 0.05
	छात्राएं	100	15.27	3.09		
आर्थिक	छात्र	100	15.89	3.15	0.74	> 0.05
	छात्राएं	100	16.24	3.39		
ज्ञान	छात्र	100	14.79	2.85	3.09	< 0.01
	छात्राएं	100	16.12	3.17		
सुखवादी	छात्र	100	13.66	2.67	1.58	> 0.05
	छात्राएं	100	14.29	2.93		
शक्ति	छात्र	100	15.23	3.27	2.82	< 0.01
	छात्राएं	100	13.96	2.96		
पारिवारिक प्रतिष्ठा	छात्र	100	12.87	3.37	0.77	> 0.05
	छात्राएं	100	13.21	2.79		
स्वास्थ्य	छात्र	100	15.58	3.31	1.76	> 0.05
	छात्राएं	100	14.77	3.18		

स्वतंत्रता के अंश – 198 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.97

0.01 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.60

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मध्य सौंदर्यात्मक, आर्थिक, सुखवादी, पारिवारिक प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य मूल्यों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इन मूल्यों के लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 0.30, 0.74, 1.58, 0.77, 1.76 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97 से कम हैं जबकि धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, ज्ञान, शक्ति मूल्यों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि इन मूल्यों के लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 2.47, 2.81, 2.12, 3. 09, 2.82 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.05, 0.01 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97, 2.60 से अधिक हैं।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मध्य सौंदर्यात्मक, आर्थिक, सुखवादी, पारिवारिक प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, ज्ञान, शक्ति मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं में धार्मिक, ज्ञान मूल्य छात्रों की तुलना में बेहतर पाए गए परंतु छात्रों में सामाजिक, प्रजातांत्रिक, शक्ति मूल्य छात्राओं की तुलना में बेहतर पाए गए, अर्थात् माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मध्य सौंदर्यात्मक, आर्थिक, सुखवादी, पारिवारिक प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य मूल्यों में लिंग भिन्नता नहीं पाई गयी जबकि धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, ज्ञान, शक्ति मूल्यों में लिंग भिन्नता पाई गयी।

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के मध्य सौंदर्यात्मक, आर्थिक, सुखवादी, पारिवारिक प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, ज्ञान, शक्ति मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया।

// संदर्भ ग्रंथ सूची//

1. पाण्डेय, रामशकल (2000) : **मूल्य शिक्षा के परिप्रेक्ष्य**, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
2. पाण्डेय, रामशकल (2008) : **धर्म दर्शन और शिक्षा,** आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
3. शर्मा, आर. ए. (1995) : **मानव मूल्य एवं शिक्षा**, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
4. शर्मा, आर.के. व दुबे, श्रीकृष्ण (2007) : **मूल्यों का शिक्षण**, राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा
5. **बाकलीवाल, ममता एवं अग्रवाल, रंजना (2009)** ''व्यवसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों का अध्ययन'', *रिसर्च लिंक – 62, वाल्यूम -VIII (3), मई 2009, पृष्ठ क्रमांक 121–123*
6. **बाला, मुकेश (2007)** ''नवोदय विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों के शालेय वातावरण का नैतिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन'', *अप्रकाशित शोधप्रबंध, गृह विज्ञान संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल*
7. **हनवत, ढाल सिंह (2007)** ''सरस्वती उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्य का अध्ययन'', *अभिनव शिक्षा, वाल्यूम 1, नं. 1, अप्रैल 2007, पृष्ठ क्रमांक 5–7*
8. **यादव, संजय कुमार (1999)** ''विज्ञान के छात्रों के व्यक्तित्व संबंधी मूल्यों का अध्ययन'', *भारतीय आधुनिक शिक्षा, अंक 1 जुलाई 1999, पृष्ठ क्रमांक 32–39*
9. **Banui, Kuotsu (1992)** "A study of the values of college students in Nagalend in relation to there self-concept", *Ph.D. Edu. North-Eastern Hill Univ., In Fifth Survey of Educational research (1988-92), Vol. II, Pg. No. 1334*
10. **Joshi, Sonu; Sharma, Nav Ratan and Yadav, Amrita (2004) "**A Study of Values in relation to age gender and economic level of the respondents", *Asian journal of psychology and education,Vol. 37, No.1-2, Pg. No. 18-21*
11. **Patil, Nalini (2009)** "A study of the value system among tribal and non tribal teacher trainees", *Research Link - 61, Vol. - VIII (2), April 2009, Pg. No. 107-108*